ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-12-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-17	2025-12-18	2025-12-19	2025-12-20	2025-12-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.1	25.9	25.6	25.7	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.2	12.5	12.8	12.9	12.8
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	58	56	55	56	58
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	21	22	24	23	24
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	9.1	6.8	6.5	7.8	6.5
पवन दिशा (डिग्री)	288	288	289	292	289
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में आसमान साफ रहेगा और बारिश की कोई संभावना नहीं है। तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि, हवा की गति सामान्य रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई चेतावनी नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

NIL

सामान्य सलाहकार:

कम तापमान और नमी के तनाव से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सुबह के समय खड़ी सब्जियों और फसलों में हल्की सिंचाई करें। कम तापमान के कारण खराब अंकुरण से बचने के लिए सब्जियों की नर्सरी के ऊपर कम लागत वाले पॉलिथीन कवर का उपयोग करें। चूंकि शुष्क मौसम का पूर्वानुमान है, इसलिए किसानों को हाल ही में बोई गई रबी फसलों और नई पौध को नमी के तनाव से बचाने के लिए पर्याप्त पानी से सिंचाई करनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

25 से 30 दिन पुरानी मटर की फसल में पहली निकाई - गुड़ाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहू की फसल में आवश्यकतानुसार सिचाई निम्नलिखित अवस्था पर करें। एक सिचाई - क्राउन रुट निकलने तथा कल्ले पूर्ण होने के बिच दो सिचाई - क्राउन रुट निकलने, बालियां निकलते समय तीन सिचाई - क्राउन रुट निकलने, बालियां निकलते समय और दानो में दूध आते समय चार सिचाई - क्राउन रुट निकलने, कल्ले पूर्ण होने समय, बालियां निकलते समय और दानो में दूध आते समय पांच सिचाई - क्राउन रुट निकलने, कल्ले पूर्ण होने समय, तने में गाँठ बनने समय, बालियां निकलते समय और दानो में दूध आते समय
चना	समय पर बोई गई चना की फसल अंकुरित होने की अवस्था में है, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे 25 से 30 दिन पुरानी फसल में पहली निकाई–गुड़ाई करें। यदि पर्याप्त नमी न हो तो खेत में सिंचाई कर दें।
सरसों	समय से बोए गए सरसों की फसल अपने वानस्पतिक अवस्था में है। अगर पौधे एक ही जगह पर ज्यादा हो तो विरलीकरण की क्रिया सुनिश्चित करें, जिससे पौधों को सही ढंग से नमी, हवा तथा तापमान प्राप्त होती रहेगी। इस अवस्था के सरसो में लाही कीट की संभावना रहती है जिसके बचाव हेतु किसान भाई इमिडाक्लोप्रिड दवा का छिड़काव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	25 से 30 दिन पुरानी आलू की फसल में मिटटी चढ़ाने के कार्य को पूरा करें तथा मिटटी को भुरभुरा कर नत्रजन की शेष बची मात्रा मिलाएं (65 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़)। कहीं-कहीं आलू के फसल में अंगमारी रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। इस रोग के कारण निचली पत्तियों पर छोटे, फीके-भूरे चमकदार धब्बे बनते है जो धीरे-धीरे ऊपर वाली पत्तियों पर फ़ैलाने लगते हैं और अंत में पत्तियां सिकुड़कर गिर जाती हैं। पौधों में ऐसा लक्षण देखते ही तुरंत फफूंदनाशी दवा रीडोमिल का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से करें।
गोभी	गोभीवर्गीय फसल में लाही कीट के प्रकोप की संभावना को देखते हुए किसान भाई इसके बचाव के लिए क्विनोल्फोस 25 % ई सी का छिड़काव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के साथ करें।
टमाटर	जिन किसान भाइयों के टमाटर के पौधे मुरझाकर सूख रहें हैं तो वे तांबे आधारित फफूंदनाशी एवं स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2-3 छिड़काव करें। साथ ही रोग ग्रसित पौधों को खेत से निकल दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को खुरपका मुहपका रोग से बचाव हेतु पशुचिकित्सक के निगरानी में एफ.एम.डी. टिका लगवाएं।

मछली पालन विशिष्ट सलाह:

मछली पालन	मछली पालन विशिष्ट सलाह
आम सीएआरपी	वातावरण में तापमान में कमी के साथ-साथ पानी के तापमान में भी कमी होने के कारण तालब में अधिक संख्या में मछली होने के चलते बहुत ही अधिक घातक एवं संक्रमक बीमारी (लाल धब्बा) होने के सम्भावना अधिक होने के साथ-साथ देखी भी जा रही है। अत: बचाव हेतु 1 लीटर एक्कानीम 10 एक्स 100 लीटर पानी में घोल बनाकर तालाब के सभी स्थान पर सामान मात्रा में छिड़काव करें। इसके छिड़काव से पानी कि कठोरता में बढ़त के साथ-साथ मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा में बढ़त हो जाती है। जिसके चलते मछली उत्पादन बढ़ जाता है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

NIL

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

NIL

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details